بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد
لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ
دفتر مجلس انصاراللہ بھارت
Office Of The Majlis Ansarullah Bharat
Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

Mob:9682536974, E-Mail.: ansarullah@qadian.in 28.10.2022 محلہ احمدیہ قادیان143516 ضلع گورداسپور(پنجاب) انڈیا

आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के महान स्तरीय ख़लीफ़ः राशिद सय्यदना हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ीयल्लाहु तआला अन्हु के सद्गणों का ईमान वर्धक वर्णन।

सारांश ख़ुत्बः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनसिहिल अज़ीज, बयान फ़र्मूदा 28 अक्तूबर 2022, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَّا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ. بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ. الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. مٰلِكِ يَوْمِ الدِّيْنِ. اِيَّاكَ نَعْبُدُ وَ اِيَّاكَ نَسْتَعِيْنُ. اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْمَ. صِرَاطَ الَّذِيْنَ اَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ. غَيْرِ الْمَغْضُوْبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّآلِّيْنَ.

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु ने फ़रमाया- बदरी सहाबियों को वर्णन श्रंखला क अतगत हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ीयल्लाहु तआला अन्हु का वर्णन हो रहा था तथा आपके सद्गुणों पर चर्चा हो रही थी। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम आप रज़ी. को कैसा विशिष्ट सम्मान देते थे इसके विषय में कुछ रिवायतें हैं। हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ी. को यह सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त है कि मक्का वाले दौर में आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम एक दो बार प्रतिदिन आप रज़ी. के घर तशरीफ़ ले जाते थे।

हज़रत उमरू बिन आस ने बयान किया कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उनको ज़ातुल सलासल की सेना पर सेनापति बनाकर भेजा और कहते हैं कि मैं आप स. के पास आया, मैंने कहा लोगों में से कौन आप स. को अधिक प्यारा है? आप स. ने फ़रमाया- आयशा। मैंने कहा, पुरुषों में से? आपने फ़रमाया, उनका बाप। मैंने कहा फिर कौन? आपने फ़रमाया- फिर उमर बिन ख़त्ताब और अपने इसी तरह कुछ पुरुषों का नाम लिया।

हज़रत सलमा बिन अकूअ बयान करते हैं कि आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- अबू बकर सब लोगों से उत्तम तथा अच्छा है इसके सिवा कि कोई नबी हो। हज़रत अनस बिन मालिक ने बयान किया कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- मेरी उम्मत में से मेरी उम्मत पर सर्वाधिक कृपालु तथा दयावान अबू बकर है।

हज़रत अबू सईद ने बयान किया कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- उच्च श्रेणी वाले ऐसे उच्च पदों पर होंगे कि निचली श्रेणी वाले उनको इस प्रकार देखेंगे जिस प्रकार तुम उदय होने वाले सितारे को देखते हो, आकाश की ओर देखते हो सितारे को, आकाश के क्षितिज में, तथा अबू

बकर व इमरान में से हैं अर्थात वे उच्च स्तरीय हैं, उनको लोग देखेंगे जिस तरह ऊँचाइ पर सितारे को देखा जाता है। आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- और वे दोनों क्या ही ख़ूब हैं।

हज़रत अबू हुरैरः रज़ी. ने बयान किया कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- किसी का हम पर कोई उपकार नहीं किन्तु हमने उसका बदला चुका दिया केवल अबू बकर के अतिरिक्त, उसका हम पर उपकार है तथा उसको इसका बदला क़यामत के दिन अल्लाह तआला देगा।

नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अपनी अन्तिम बीमारी में फ़रमाया- लोगों में से कोई भी नहीं जो अपनी जान व माल की दृष्टि से मेरे लिए अबू क़हाफ़ः से बढ़ कर नेक व्यवहार करने वाला हो, यदि मैं लोगों में से किसी को दोस्त बनाता तो अवश्य अबू बकर को ही अपना दोस्ता बनाता किन्तु इस्लाम की दोस्ती सर्वाधिक उत्तम है। इस मस्जिद की समस्त खिड़कियों को मेरी ओर से बन्द कर दो केवल अबू बकर की खिड़की को छोड़ कर।

नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- अबू बकर मुझसे हैं और मैं उनसे हूँ, अबू बकर दुनिया व आख़िरत में मेरे भाई हैं। सुनन तिर्मिज़ी की रिवायत यह है कि हज़रत अनस ने बयान किया कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हज़रत अबू बकर और हज़रत उमर के बारे में फ़रमाया- ये दोनों सरदार हैं, जन्नत वालों में से हैं, जन्नत वालों के बड़ी आयु वालों के पहलों में से तथा अन्तिम लोगों में से, केवल नबियों तथा रसूलों को छोड़ कर।

हज़रत अनस कहते हैं कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम मुहाजिर तथा अन्सार में से अपने सहाबियों क पास बाहर तशरीफ़ लाते तथा बैठे होते और उनमें हज़रत अबू बकर रज़ी. और हज़रत उमर रज़ी. होते, तो उनमें से कोई भी अपनी नज़र आपकी ओर न उठाता सिवाए हज़रत अबू बकर रज़ी और हज़रत उमर रज़ी के। वे दोनों आपकी ओर देखते और आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम उनकी ओर देखते और वे आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की ओर देखकर मुस्कुराते और आप स. उन दोनों को देख कर मुस्कुराते।

हज़रत इब्ने उमर से रिवायत है कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलहि वसल्लम एक दिन बाहर तशरीफ़ लाए और मस्जिद में दाख़िल हुए और हज़रत अबू बकर रज़ी. तथा हज़रत उमर रज़ी. इन दोनों में से एक आपके दाएँ ओर था तथा दूसरा आपके बाएँ ओर तथा आप इन दोनों के हाथ पकड़े हुए थे और फ़रमाया- इस तरह हम क़यामत के दिन उठाए जाएँगे। हज़रत अब्दुल्लाह बिन हंतब से रिवायत है कि नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हज़रत अबू बकर रज़ी. तथा हज़रत उमर रज़ी. को देखा और फ़रमाया- ये दोनों कान और आँखें हैं अर्थात मेर निकटतम साथियों में से हैं।

हज़रत सईद ख़ुदरी बयान करते हैं कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- हर नबी के आसमान वालों में से दो मंत्री होते हैं तथा धरती वालों में से भी दो मंत्री होते हैं। आसमान वालों

में से मेरे दो मंत्री जिब्रईल और मीकाईल हैं तथा धरती वालों में से मेरे दो मंत्री अबू बकर तथा उमर हैं, फिर आपको जन्नत की शुभ सूचना भी दी।

हज़रत अनस रज़ी. बयान करते हैं कि नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ओहद के पहाड़ पर चढ़े और आपके साथ हज़रत अबू बकर रज़ी, हज़रत उमर रज़ी. तथा हज़रत उसमान रज़ी. थे तो वह हिलने लगा। आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया- ओहद ठहर जा (मैं समझता हूँ कि आप स. ने उस पर अपना पाँव भी मारा) क्यूँकि तुम पर कोई और नहीं केवल एक नबी तथा एक सिद्दीक़ तथा दो शहीद हैं।

हज़रत मुस्लेह मौऊद रज़ी. फ़रमाते हैं कि एक बार हुज़ूर-ए-अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने एक मजलिस मं जन्नत तथा उसकी नमतां (अनकम्पाआ) का वर्णन फ़रमाया। इस पर हज़रत अबू बकर रज़ी. ने निवेदन पूर्वक कहा कि हुज़ूर स. दुआ कीजिए कि मैं भी जन्नत में आप स. के साथ हूँ। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि मैं आशा एवं दुआ करता हूँ कि तुम मेरे साथ हो। वहाँ उपस्थित कुछ सहाबियों में से एक और ने कहा कि हुज़ूर स. मेरे लिए भी दुआ करें कि मुझे भी आप स. की संगत मिले। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि अल्लाह तुझ पर भी दया करे परन्तु जिसने पहले कहा था अब तो वह दुआ ले गया। हज़रत मुस्लेह मौऊद रज़ी. फ़रमाते हैं कि एक बार रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि अमुक नेकी करने वाला जन्नत के अमुक द्वार से प्रवेश करेगा तथा अमुक नेकी करने वाला अमुक दरवाज़े से दाख़िल होगा। आप स. ने विभिन्न नेक कर्मों का वर्णन करके फ़रमाया कि जन्नत के सात दरवाज़ों से भिन्न भिन्न नेकियों पर बल देने वाले दाख़िल होंगे। इस पर हज़रत अबू बकर रज़ी. ने निवेदन किया कि या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम जो व्यक्ति सब नेकियों पर ही ज़ोर दे तो उसके साथ क्या व्यवहार होगा। इस पर आप स. ने फ़रमाया कि वह व्यक्ति जन्नत के प्रत्येक द्वार से बुलाया जाएगा तथा मुझे आशा है कि ऐ अबू बकर! तू उन्हीं में से है।

हज़रत अबू बकर रज़ी. का आगे भी वर्णन जारी रहने का इरशाद फ़रमाने के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने कुछ मृतकों का सद्वर्णन तथा जनाज़े की नमाज़ ग़ायब पढ़ाने का वर्णन करते हुए फ़रमाया कि इस समय मैं कुछ मरहूमीन का वर्णन करूँगा।

1- मुकर्रम अब्दुल बासित साहब अमीर जमाअत इंडोनेशिया जो 8 अक्तूबर को 71 वर्ष की आयु में वफ़ात पा गए थे। इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन। आप मौलवी अब्दुल वाहिद समाटरी साहब के बेटे थे। जामिअः अहमदियः रबवा से शाहिद की परीक्षा पास की तथा उसके बाद वापस अपने देश तशरीफ़ ले गए। थाईलैंड में मुबल्लिग़ के रूप में आपकी नियुक्ति हुई थी। थाईलैंड में सेवा करने के बाद आप वापस इंडोनेशिया आ गए तथा अंत समय तक इंडोनेशिया में तत्पर कायरत रहे। एक लम्बी अवधि तक इंडोनेशिया जमाअत के अमीर होने का सौभाग्य मिला। आपकी सेवा की अवधि चालीस

वर्ष बनती है। परिजनों में पतनी के अतिरिक्त तीन बेटे तथा दो बेटियाँ शामिल हैं। मरहूम सिललिसे का बड़ा दर्द रखते थे तथा जमाअत को हर एक चीज़ पर प्राथ्मिकता देते थे। मुरब्बियों का आदर सतकार करते, स्वाभिमानी किन्तु विनम्रता से काम लेने वाले थे। जमाअत के निज़ाम तथा ख़िलाफ़त का बड़ा सम्मान करते, जमाअत की धरोहर का बड़ा ध्यान रखते। आप इंडोनेशिया की जमाअत के लिए एक आध्यात्मिक पिता के समान थे। दंड देते तो भी सुधार की धारणा रहती। गत एक वर्ष से बीमार थे किन्तु बीमारी के दिनों में भी अपने कर्त्तव्यों में कमी नहीं होने दी। हुज़ूर-ए-अनवर ने विस्तार क साथ इस यागय पुरुष की जमाअती सेवाएँ तथा सद्गुणों का वर्णन करते हुए दुआ की- अल्लाह तआला मरहूम से मग़फ़िरत का सलूक फ़रमाए तथा आप जैसे ख़ुद्दाम ख़िलाफ़त को सदैव प्रदान करता रहे।

2- मुकर्रमा ज़ैनब रमज़ान सैफ़ साहिबा पतनी मुकर्रम यूसुफ़ उसमान कामबालायः साहब मुबल्लिग़ सिलसिला तंज़ानियः जो पिछले दिनों सत्तर वर्ष की आयु में वफ़ात पा गईं। इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन।

3- मुकर्रमा हलीमा बेगम साहिबा पतनी शेख़ अब्दुल क़दीर साहब दरवेश क़ादियान। मरहूमा नमाज़ रोज़े की पाबन्द, धैर्य रखने वाली एवं संतोषी, विनय पूर्ण स्वभाव तथा सुन्दर आचरण वाली महिला थीं। जब तक स्वास्थय ने अनुमति दी क़ादियान के बच्चों को क़ुर्आन करीम पढ़ाती रहीं। ख़िलाफ़त के साथ बड़ा स्नेह था तथा ख़लीफ़-ए-वक़्त की ओर से की गई हर एक तहरीक पर लब्बैक कहती थीं। दरवेशी के दौर को बड़े संतोष एवं धैर्य के साथ व्यतीत किया। मरहूमा मूसियः थीं उनके बेटे शेख़ नासिर वहीद साहब जो कायवाहक एडमिंस्ट्रेटर के रूप में सेवा का सौभाग्य पा रहे हैं। तीन बेटियाँ हैं इनकी जो बाहर हैं, अल्लाह तआला मरहूमा से रहम और मग़फ़िरत का सलूक फ़रमाए।

4- मुकर्रमा मेले अनीसा अपीसा साहिबा जो पिछले दिनों 71 वर्ष की आयु में वफ़ात पा गईं। इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन। मरहूमा कीरीबास की पहली अहमदी मुसलमान तथा पहली अहमदी महिला थीं। किसी तरह क़ुर्आन करीम के अनुवाद की एक प्रति यहाँ पहुंच गई थी जिसे पढ़ कर आप स्वयं ईमान ले आईं तथा पर्दा करना भी शुरु कर दिया। मरहूमा अत्यंत नेक, दलेर तथा स्वाभिमानी, वैभवी अहमदी थीं।

हुज़ूर-ए-अनवर ने समस्त मृतकों की मग़फ़िरत तथा उच्च स्तरों के लिए दुआ की।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا
مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا
عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ
وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, सम्पर्क करें-9781831652
अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान क विषय म जानकारी क लिए टोल फ्री नम्बर-18001032131